



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 659]

No. 659]

नई दिल्ली, बुधवार, जून 30, 2005/आषाढ़ 9, 1927

NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 30, 2005/ASADHA 9, 1927

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 जून, 2005

सं. 11 (आर ई-2005)/2004-2009

का.आ. 910(अ).—यथा-संशोधित विदेश व्यापार नीति, 2004-2009 के पैराग्राफ 1.3 के साथ पठित विदेश व्यापार (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1992 की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार, एतद्वारा, विदेश व्यापार नीति, 2004-2009 में निम्नलिखित संशोधन करती है :—

1. पैरा 4.1.13 के तीसरे वाक्य के बाद निम्नलिखित वाक्य जोड़ा जाता है :—

“अग्रिम लाइसेंस धारकों को खुले सागर में बिक्री आधार पर माल बेचने के लिए राज्य व्यापार उद्यमों को भी अनुमति दी जाती है।”

इसे लोकहित में जारी किया जाता है।

[फा. सं. 01/94/पी. एन. 45-मारिको/ए एम 05/पी सी-4]

के. टी. चाको, महानिदेशक, विदेश व्यापार एवं पदेन अपर सचिव

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

NOTIFICATION

New Delhi the 30th June, 2005

No. 11/(RE-2005)/2004-2009

S.O. 910(E).—In exercise of the powers conferred by Section 5 of the Foreign Trade (Development and Regulation) Act, 1992 read with paragraph 1.3 of the Foreign Trade Policy, 2004-2009, as amended, the Central Government hereby makes the following amendments in the Foreign Trade Policy, 2004-2009 :

1. After the third sentence in paragraph 4.1.13, the following sentence is inserted :—

“The State Trading Enterprises are also allowed to sell the goods on high sea sale basis to the Advance Licence holders.”

This issues in public interest.

[F. No. 01/94/PN45-Marico/AM05/PC-IV]

K. T. CHACKO, Director General of Foreign Trade
and *ex-officio* Addl. Secy.